प्रकाशकीय निवेदन - २०००

धवला षट्खंडागम सिद्धांत ग्रंथके प्रथम खंडके प्रथम भाग की द्वितीय पुस्तक जीवस्थान सत्प्ररू पणाकी द्वितीय आवृत्तिका संशोधित पुनर्मुद्रण करनेमें हम अपना सौभाग्य समझते हैं ।

इस ग्रंथराजे मूल सम्पादक स्व. पं. फूलचन्द्रजी सिद्धान्त शास्त्रीजी का वृद्धापकालके कारण स्वर्गवास होनेसे इस ग्रंथका पुनर्मुद्रण करते समय उनकी पावन स्मृतिको श्रद्धांजलि समर्पण कर हम समवेदना प्रकट करते हैं।

इस ग्रंथका प्रूफ संशोधन कार्य जीवराज जैम ग्रंथ मालाके संपादक स्व. पं. नरेन्द्रकुमार भिसीकर शास्त्री तथा सहाय्यक श्री. धन्यकुमार जैनी तथा मुद्रणकार्य स्टेप इन प्रोसेम, पुणे इनके द्वारा संपन्न हुआ है। इनके सहयोग के लिए हम आभार प्रदर्शित करते हैं।

रतनचंद सखाराम शहा.
मंत्री

जीवराज जैन ग्रंथमाला का परिचय

सोलापुर निवासी श्रीमान् स्व. ब्र जीवराज गौतमचंद दोशी कई वर्षोंसे उदासीन होकर धर्मकार्यमें अपनी वृत्ति लगाते रहे । सन १९४० में उनकी यह प्रबल इच्छ हो उठी कि अपनी न्योयोपार्जित संपत्तिका उपयोग विशेषरुपसे धर्म और समाजकी उन्नतिके कार्यमें करें तदनुसार उन्होंने समस्त भारतका परिभ्रमण कर जैन विव्दानोंसे इस बातकी साक्षात् और लिखित संमतियों संग्रह कीं कि कौनसे कार्यमें संपत्तिका उपयोग किया जाय। स्फुट मतसंचय कर लेनेके पश्चात सन १९४१ के ग्रीष्म कालमें ब्रहमचारीजीने श्री सिध्दक्षेत्र गजपंथकी पवित्र भूमिपर विव्दानोंकी समाज एकत्रित की और ऊहापोहपुर्वक निर्णयके लिए उक्त विषय प्रस्तुत किया। विव्दत् संमेलनके फलस्वरुप ब्रहमचारीजीने जैन संस्कृति तथा साहित्य के समस्त अंगोके संरक्षण, उध्दार और प्रचारके हेतु **'जैन संस्कृति संरक्षक संघ'** नामक संस्थाकी स्थापना की और उसके लिए ३०,००० (तीस हजार) रुपयोके दानकी घोषणा कर दी । उनकी परिग्रह निवृति बढती गई। सन १९४४ में उन्होने लगभग २००००० (दो लाख) की अपनी संपूर्ण संपत्ति संघको ट्रस्टरुपसे अर्पण की। इसी संघ के अंतर्गत **'जीवराज जैन ग्रंथमाला'** का संचलन हो रहा है।

आजतक इस ग्रंथमालासे हिंदी विभागमे करीब ४८ ग्रंथ, मराठी विभागमें १०२ ग्रंथ तथा धवला विभागमें १६ ग्रंथ छप चुके हैं।

प्रस्तुत ग्रंथ **श्री श्रीमंत सेठ सिताबराय लक्ष्मीचंद्र जैन साहित्योद्धारक सिंद्धात ग्रंथमालाके** द्वारा अधिकार प्राप्त **जीवराज जैन ग्रंथमालाका द्वितीय** पुष्प है।

रतनचंद सखाराम शहा.
मंत्री

जैन संस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर
विश्वस्त मंडल

श्री. अरविंद रावजी दोशी **श्री. रतनचंद सखाराम शहा**
श्री. भाऊसाहेब आमीचंद गांधी **डॉ. सौ. त्रिशलादेवी अ. नाडगौडा पाटील**